Hindi Reader

हिंदी

हिंदी पाठ्यपुस्तक

लेखिका:
बबीता चौधरी

With the blessings of :

Our Parents

Hindi Reader

हिंदी 4

हिंदी पाठ्यपुस्तक

Copyright @ Publishers

All rights reserved. No part of the publications may be reproduced, transmitted or distributed in any form or by any means without prior permission in written. Any person who does any unauthorised act in relation, Publications may be liable to criminal prosecution and civil claims for damages.

Limits of liability and Disclaimer of Warranty:
The Authors, Editors, Designers and the Publishers of this book have tried their best to ensure that all the texts are correct in all aspect. However, the authors and the publishers does not take any responsibility of any errors, if happened. The correction of errors, if found will duly be done in the next edition.

MADE IN INDIA

Support Recycle

Save a Tree
Save the Earth

One Ton of this Paper Saves 17 trees

Max Retail Price: On Back Cover

Edited & Designed by:
Editone International Pvt. Ltd.

Based on:

- National Education Policy 2020
- NCF 2022
- Activity Based Format
- Innovative Approach
- Learning with fun
- Eco-Friendly Paper

आमुख

विचारों को अभिव्यक्त करने का सबसे सरल एवं स्पष्ट माध्यम भाषा ही है। भाषा में सम्मिलित कौशलों की सहायता से विचारों का आदान-प्रदान संभव हो पाता है। विद्यार्थियों के प्रभावपूर्ण व्यक्तित्व के विकास में शैक्षिक प्रणाली का अहम् योगदान होता है। इस प्रणाली में रचनात्मकता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानवीय मूल्यों तथा जीवन कौशल का समावेश होना आवश्यक है।

प्रस्तुत पुस्तक शृंखला (कक्षा 1-8) में भाषा के चारों कौशल– श्रवण, वाचन, पठन, लेखन के साथ-साथ गतिविधि आधारित शिक्षण पर विशेष बल दिया गया है। इस पुस्तक शृंखला में चिंतन-मनन (Thinking), विश्लेषण (Analysis), कल्पनाशीलता (Imagination), रचनात्मकता (Creativity), मूल्यांकन (Evaluation) को भी समाहित किया गया है। इसमें निर्धारित मानक वर्तनी का प्रयोग किया गया है। प्रस्तुत शृंखला विद्यार्थियों की भाषा में बारीक समझ को विकसित करने में सक्षम है। साथ ही इसमें पाठ नियोजन करते समय विद्यार्थियों की रुचियों, जिज्ञासाओं एवं खोजबीन प्रवृति का पूरा ध्यान रखा गया है। इस पुस्तक शृंखला की पाठ्य-सामग्री बच्चों के स्तरानुकूल, सरल, सहज एवं रोचक रूप में प्रस्तुत की गई है।

प्रस्तुत शृंखला में नई शिक्षा नीति (NEP) 2020 एवं राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा रूपरेखा (NCF) 2022 को ध्यान में रखकर सभी मूल्यों को तार्किक रूप से अपनाया गया है। रचनात्मक लेखन के अंतर्गत कविता, कहानी, चित्र-कथा, संवाद, यात्रा-वर्णन एवं पत्र-लेखन आदि को शामिल किया गया है ताकि भाषा प्रयोग पर विद्यार्थियों की पकड़ मज़बूत बन सके, साथ ही विद्यार्थी व्याकरण का कुशलतापूर्वक प्रयोग कर पाएँ।

इस शृंखला में विद्यार्थियों को ऐसा मंच देने का प्रयास किया गया है, जहाँ वे आत्मविश्वास के साथ सोच-समझकर प्रश्नों का उत्तर दे सकें, साथ ही संवाद या चर्चा के द्वारा अपने सहपाठियों का दृष्टिकोण भी समझ पाएँ।

हमें यह विश्वास है कि प्रस्तुत पुस्तक शृंखला छात्रों के सर्वांगीण विकास में सहायक सिद्ध होगी। इस पुस्तक शृंखला को और भी अधिक उपयोगी बनाने के लिए सभी शिक्षार्थी, पाठकगण एवं शिक्षकगण के महत्वपूर्ण सुझाव अपेक्षीय हैं।

–प्रकाशक

विषय सूची

क्र.सं.	अध्याय	पृ. सं.
⊙	मैं जो चाहूँ (चित्रकथा)	5
1.	एक सवाल (कविता)	8
2.	कछुआ और हंस (कहानी)	16
3.	एक अनोखी रेलयात्रा (यात्रा-वृतांत)	24
4.	कदंब का पेड़ (कविता)	34
5.	थॉमस एल्वा एडीसन (जीवनी)	41
6.	बुद्ध और अंगुलिमाल (कहानी)	48
7.	वीर तुम बढ़े चलो (कविता)	56
8.	बजरबट्टू (कहानी)	61
9.	शिष्टाचार (निबंध)	67
10.	बालभवन की सैर (पत्र)	73
11.	सर आइज़क न्यूटन (कविता)	78
12.	सैर-सपाटा (डायरी-लेखन)	84

'मैं जो चाहूँ' (चित्रकथा)

(केवल पठन हेतु)

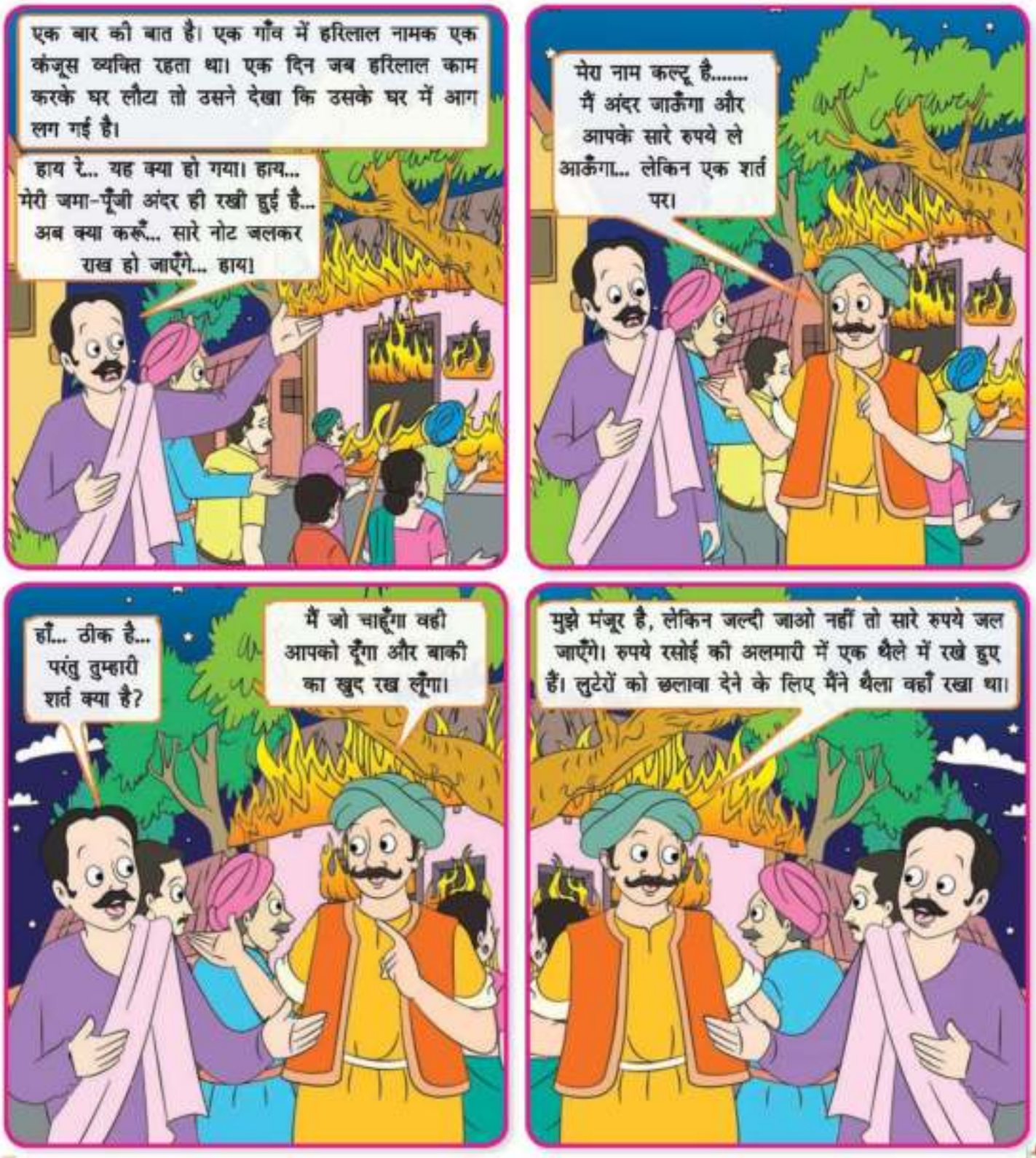

कल्टू अगले ही पल आग में कूद पड़ा।
एक कंजूस ही अपने रुपये थैले में रख सकता है।
थोड़ी देर बाद कल्टू रुपयों का थैला लेकर बाहर आया।
ओह, उसने तो यह काम कर दिखाया! वाह!
लाओ, थैला मुझे दे दो!
इतनी भी जल्दी क्या है, भाई! याद कीजिए हमारे बीच क्या तय हुआ था? मैंने कहा था कि मैं जो चाहूँगा वही आपको दूँगा और बाकी का खुद रख लूँगा। मैं आपको यह दूँगा।
01
सिर्फ एक रुपया... धोखेबाज... मेरा थैला मुझे लौटा दो, वरना...
मैं तुम्हें न्यायाधीश के पास ले चलूँगा और जेल में डलवा दूँगा।
वरना तुम क्या करोगे... बताओ तो जरा...?

नगर के न्यायाधीश के पास चलो, वहीं मामला झट से निपटा लेते हैं।
तो फिर चलो।

जल्द ही मामला न्यायाधीश के सामने पहुँचा। न्यायाधीश ने कुछ देर तक उस पर विचार किया और अपना फ़ैसला सुनाया।
कल्लू, न्यायालय का आदेश है कि तुम रुपयों से भरा थैला हरिलाल को लौटा दो और वह एक रुपया खुद ले लो, बतौर इनाम
लेकिन न्यायाधीश जी, हमारे बीच तय हुआ था कि...

मैं जानता हूँ कि क्या तय हुआ था। तय यह हुआ था कि तुम जो चाहोगे वही हरिलाल को दोगे और बाकी का खुद रख लोगे लेकिन तुम इस बात पर कायम नहीं रहे।
लेकिन मैंने तो वही किया जो मैंने कहा था।
नहीं, तुमने ऐसा नहीं किया। तुमने चाहा कि नोटों से भरा थैला स्वयं अपने पास रखूँ और तुमने वैसा ही किया। किया न? अब तयशुदा बात के तहत तुमने जो चाहा वही हरिलाल को देना होगा इसलिए नोटों से भरा वह थैला हरिलाल को दे दो, अभी... इसी वक्त।

मेरा फ़ैसला अंतिम है। किसी भी तरह की बहस की तो मैं तुम्हें जेल में डलवा दूँगा, समझे।
लेकिन... लेकिन
अब रुपयों का थैला हरिलाल को दे दो और एक रुपए का नोट ले लो।

कल्लू को आदेश का पालन करना पड़ा।
गुरर्रर्र... मैंने अपनी जान लगा दी पर मुझे क्या मिला।
सही फ़ैसला हुआ है, न्यायाधीश जी ज़िंदाबाद!

अध्याय
1

'एक सवाल'
(कविता)

अध्ययन से पूर्व (Before Study)

- चित्र को कक्षा में दिखाकर उस पर चर्चा करें कि ऐसा ही क्यों होता है?

कविता परिचय (Poem Preview)

बच्चों को सोचने के लिए प्रेरित करना, समस्या समाधान जैसे कौशल के लिए मनोबल बढ़ाते हुए जागरुक करना।

कठिन शब्द (Difficult Words)

सवाल आसमान नदियाँ शैतानी धाए चूहे विवरण माया-जाल

आओ, पूछें एक सवाल!
मेरे सिर में कितने बाल?

कितने आसमान में तारे?
बतलाओ या कह दो हारे!

नदियाँ क्यों बहती दिन-रात?
चिड़िया क्या करती है बात?

क्यों कुत्ता बिल्ली पर धाए?
बिल्ली क्यों चूहे को खाए?

फूल कहाँ से पाते रंग?
क्यों न रहते जीव सब संग?

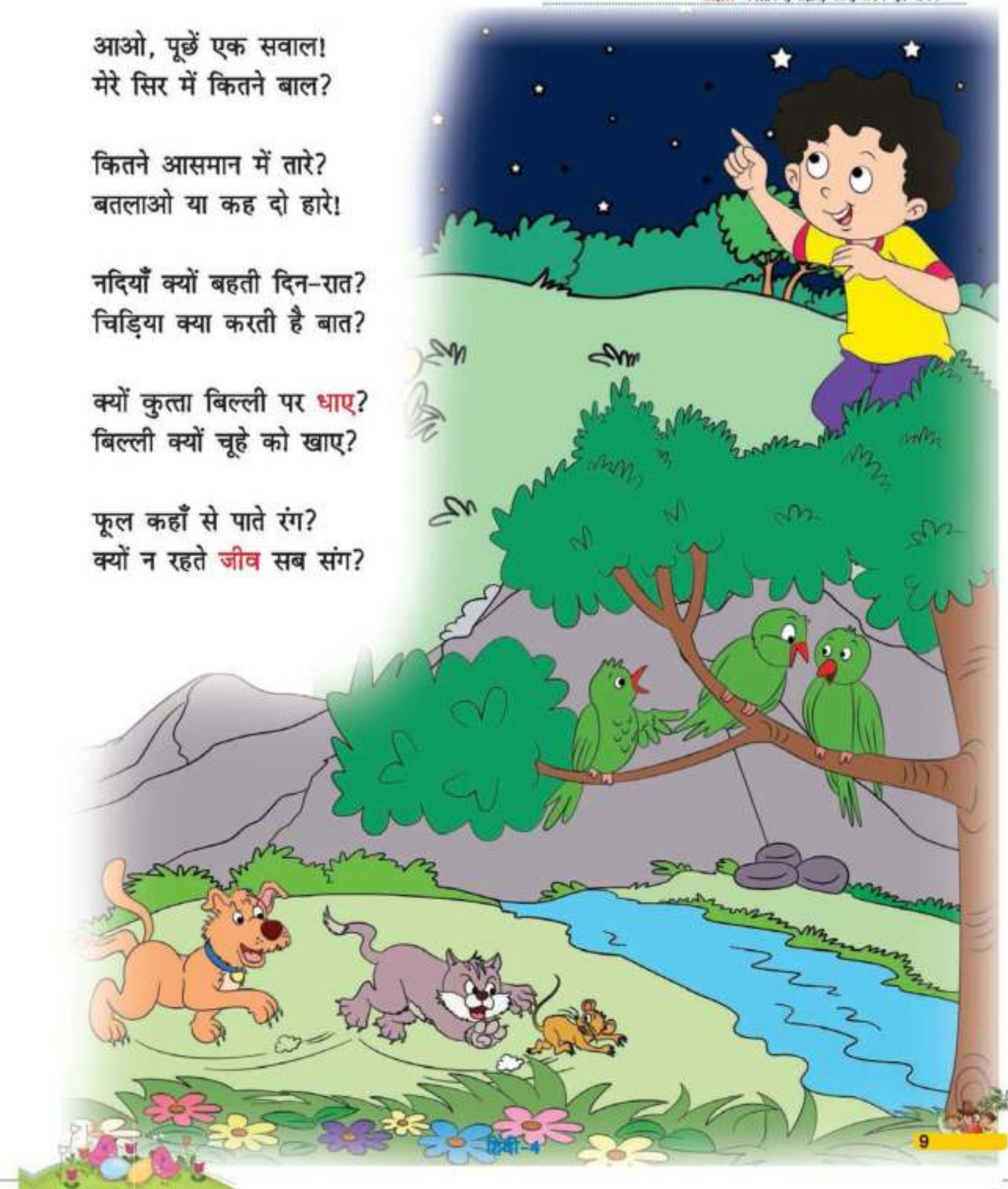

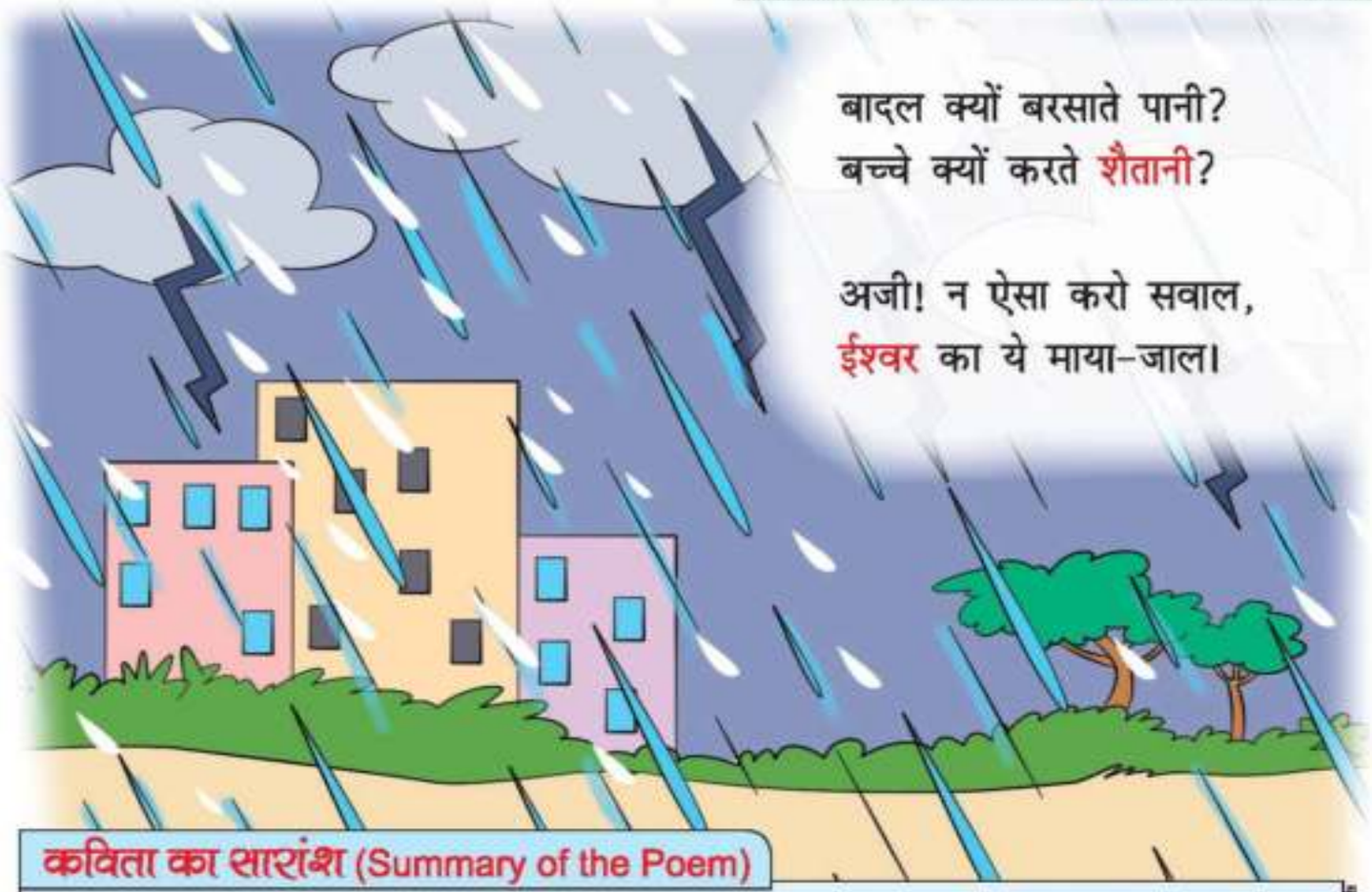

कविता का सारांश (Summary of the Poem)

The poem playfully questions natural and everyday phenomena, like why rivers flow, birds talk, and flowers have colors. It wonders about the mysteries of nature and behavior, suggesting they are part of God's divine creation. Ultimately, it implies these wonders might be beyond human understanding.

शब्दार्थ (Word Meaning)

ईश्वर	=	भगवान (God)
जीव	=	पशु, पक्षी, इनसान (Animals, birds, humans)
धाए	=	हमला (Attack)
शैतानी	=	उधम मचाना (To create chaos)

उच्चारण करें (Pronounce)

नदियाँ चिड़ियाँ शैतानी ईश्वर बतलाओ

शिक्षण संकेत (Teaching Prompts)

शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को कविता का भावार्थ समझाएँ। साथ ही पंक्तियों के माध्यम से कुछ रचनात्मक कार्यों के लिए प्रेरित करें।
(Make the students understand the meaning of the poem with the help of examples and encourage them to create some innovative stories.)

अभ्यास (Exercise)

जरा बोलिए (Speaking Skills)

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए। (Answer the given questions.)

(क) आसमान में तारे कब दिखाई देते हैं?

(ख) क्या फूलों के बहुत-से रंग होते हैं?

(ग) चूहे को कौन खाता है?

(घ) पानी कौन बरसाता है?

जरा लिखिए (Writing Skills)

2. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (Write the answers to the given questions.)

(क) आसमान में तारों के साथ कौन दिखाई देता है?

.....

(ख) नदियों के बहने का समय क्या है?

.....

(ग) जीव साथ-साथ क्यों नहीं रहते?

.....

(घ) बरसात कौन करता है?

.....

3. दी गई कविता की पंक्तियों का भावार्थ लिखिए।
(Write the meaning of the lines of the given poem.)

क्यों कुत्ता, बिल्ली पर धाए?
बिल्ली क्यों चूहे को खाए?
फूल कहाँ से पाते रंग?
क्यों न रहते जीव सब संग?

जरा सोचिए (Critical Thinking)

4. अगर धरती पर वृक्ष न रहें तो क्या होगा? सोचकर बताइए।
(What would happen if there were no trees on Earth? Think and describe.)

5. चूहा, बिल्ली और कुत्ता यदि आपस में बात कर पाते, तो एक-दूसरे से क्या कहते? विचार कीजिए। (If a mouse, a cat, and a dog could talk to each other, what would they say to one another? Think about it.)

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

जरा भाषा पर गौर कीजिए (Language Skills)

6. दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए। (Write the antonyms of the given words)

(क) धरती – .....

(ख) दिन – .....

(ग) रंग – .....

(घ) सवाल – .....

(ङ) जीत – .....

7. एकवचन को बहुवचन में लिखिए। (Convert the singular form into plural form)

एकवचन		बहुवचन
(क) तारा	–	.....
(ख) चिड़िया	–	.....
(ग) नदी	–	.....
(घ) चूहा	–	.....
(ङ) बच्चा	–	.....

8. कविता में आए संज्ञा शब्दों को छाँटकर लिखिए।

(Select and write the noun words that appear in the poem.)

बादल	फूल	कुत्ता	करो	खाए	संग	शैतानी	नदियाँ

....

....

9. तुकांत शब्द लिखिए। (Write the rhyming words.)

(क) बाल – ....

(ख) बहती – ....

(ग) फूल – ....

(घ) पानी – ....

10. समान अर्थ वाले शब्द लिखिए। (Write the synonyms.)

(क) आसमान – ....

(ख) फूल – ....

(ग) बादल – ....

(घ) नदी – ....

(ङ) पानी – ....

ज़रा रचनात्मक कार्य कीजिए (Creative Skills)

11. दिए गए चित्रों को देखकर अपनी कक्षा में चर्चा कीजिए और आपके मन में क्या-क्या सवाल उठ रहे हैं? उन्हें लिखिए। (Look at the given pictures, discuss them in your class, and write down the questions that come to your mind.)

12. दिए गए चित्रों को ध्यान से देखते हुए बताइए कि दोनों चित्रों में क्या अंतर है? कारण भी लिखने का प्रयास करें। (Carefully examine the given pictures and describe the differences between them. Also, try to explain the reasons.)

जरा दिमाग लगाइए (Brain Storming Activity)

13. बूझो तो जानें! पहेली को चित्र के साथ मिलाएँ।
(Guess if you can! Match the riddle with the picture.)

(क) तीन अक्षर का नाम है,
आगे से पढ़ो या पीछे से
मतलब एक समान है।

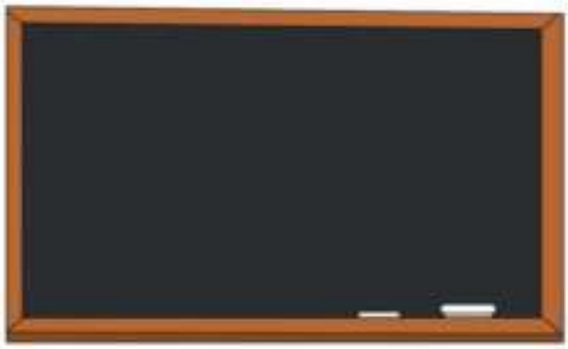

(ख) कटोरे पर कटोरा,
बेटा बाप से भी गोरा।

(ग) सबको मैं देता हूँ ज्ञान,
काला रंग है मेरी शान।

अध्याय
2

'कछुआ और हंस'
(कहानी)

अध्ययन से पूर्व (Before Study)

कहानी परिचय (Story Preview)

प्रस्तुत कहानी में कछुआ और हंस के आपसी संवाद के बारे में बताया गया है। जिसमें विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य से काम लेने की सीख दी गई है।

कठिन शब्द (Difficult Words)

चिंतित सूखा तलाश योजना खतरा मुँह विकल्प अवशेष निर्णय अनुकूल

एक बड़े-से तालाब में एक कछुआ रहता था। उस तालाब में दो हंस रोज़ पानी पीने आते थे। इस दौरान तीनों मिलकर खूब बातें करते। धीरे-धीरे तीनों में गहरी मित्रता हो गयी।

एक बार कई दिनों तक सूखा पड़ने के कारण तालाब का पानी कम हो गया। इस बात से अब कछुआ और दोनों हंस चिंतित होने लगे।

कछुए ने कहा, मित्रों! तालाब का पानी तो बहुत कम हो गया है। अब बचा हुआ पानी भी ज्यादा दिन नहीं चलेगा। इसलिए अब हमें जल्दी ही किसी नए तालाब की खोज करनी चाहिए ताकि हम वहाँ आराम से रह सकें। अगले दिन दोनों हंस एक नये तालाब की तलाश में उड़ जाते हैं और वापस आकर कछुए को बताते हैं।

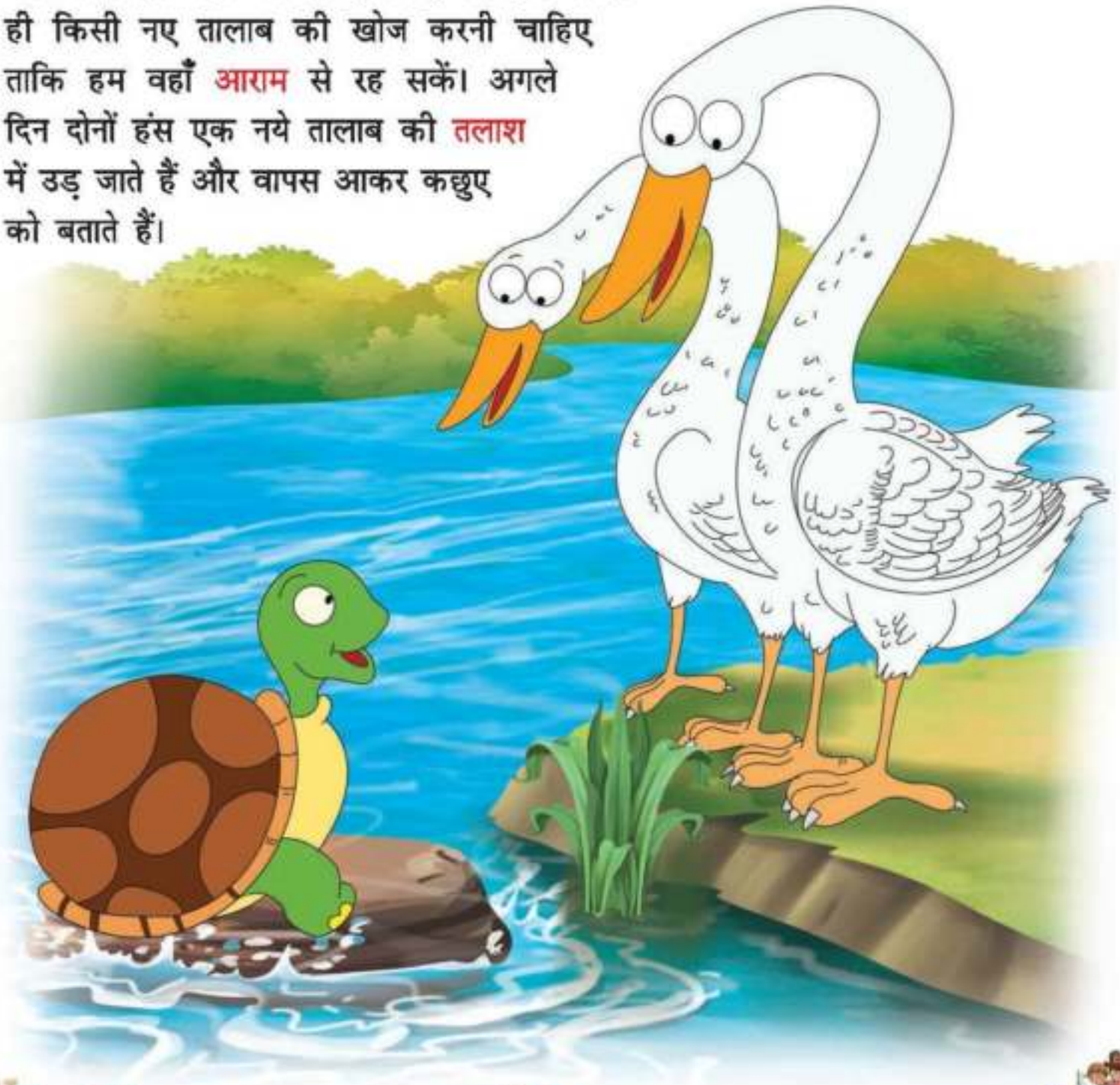

एक हंस बोला, मित्र! आज हमने एक बड़े तालाब को खोजा है, जो यहाँ से बहुत दूर है। उसमें अभी काफी पानी है। हम वहाँ आराम से रह सकते हैं। इसलिए अब हमें जल्दी ही यहाँ से चलने की तैयारी शुरू कर देनी चाहिए।

लेकिन अब समस्या यह थी कि दोनों हंस तो उड़ सकते थे लेकिन कछुआ उड़ना नहीं जानता था।

फिर उन्होंने एक योजना बनाई कि दोनों हंस एक बड़ी-सी लकड़ी को दोनों किनारों से पकड़ लेंगे और कछुआ उस लकड़ी को बीच में से अपने मुँह से पकड़ लेगा।

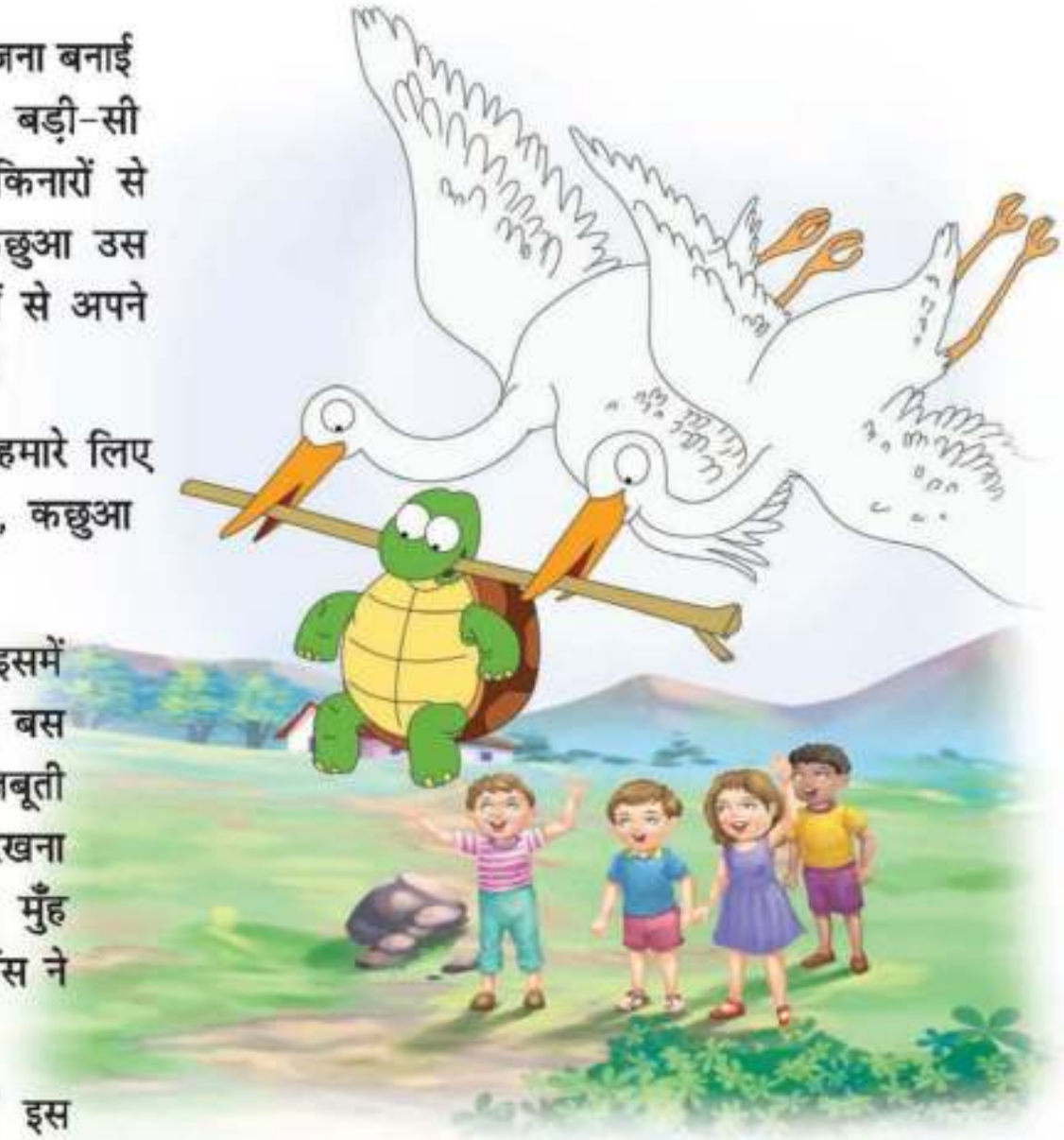

हाँ, यह उपाय ही हमारे लिए सबसे अच्छा रहेगा, कछुआ बोला।

लेकिन दोस्त इसमें खतरा भी बहुत है, बस तुम लकड़ी को मजबूती से मुँह में दबाकर रखना और बिल्कुल भी मुँह मत खोलना, एक हंस ने कछुए से बोला।

हाँ... हाँ तुम दोनों इस बात की बिल्कुल भी चिंता मत करो, कछुआ बोला।

अगले दिन सब कुछ योजना के अनुसार ही हुआ। एक लकड़ी जिसको दोनों सिरों से दोनों हंसों ने पकड़ लिया और बीच में कछुए ने उस लकड़ी को अपने मुँह में दबा लिया। जब उड़ते हुए तीनों एक गाँव के ऊपर से गुजर रहे थे तो गाँव के लोगों ने कहा, अरे!

देखो, वो दोनों हंस उस बेचारे कछुए को पकड़ कर ले जा रहे हैं और आगे जाकर ये उस कछुए को मार देंगे।

गाँव वालों की इन बातों को सुनकर कछुए से रहा न गया और जोर से बोला, अरे! मूर्खों ये तो मेरे दोस्त हैं।

कछुए ने जैसे ही यह बोलना शुरू किया तो कछुआ सीधा नीचे जमीन पर जा गिरा और वहीं उसका दम निकल गया।

ये देखकर दोनों हंस बहुत दु:खी हुए लेकिन अब वे कुछ नहीं कर सकते थे। अब उन्होंने आगे बढ़ना ही उचित समझा।

कहानी का सारांश (Summary of the Story)

In a large pond, a turtle lived with two swans who visited daily. They became close friends. When a drought reduced the pond's water, they decided to find a new pond. The swans discovered a larger pond far away and planned to transport the turtle using a large stick, with each swan holding an end and the turtle biting the middle.

As they flew over a village, villagers misinterpreted the scene and thought the swans were kidnapping the turtle. The turtle, unable to resist, shouted out to correct the villagers, revealing his presence. The sudden noise caused the turtle to fall and die. The swans were heartbroken but continued to their new pond, realizing there was nothing more they could do.

शब्दार्थ (Word Meaning)

तालाब	=	छोटा जलाशय, पोखर (Small water body, pond)
सूखा पड़ना	=	जहाँ जल की कमी पड़ जाती है (Scarcity of water)
तलाश	=	खोज, छानबीन (Search, exploration)
चिंतित	=	चिंता करना (To worry)
आराम	=	सुख (Comfort)
बेचारा	=	लाचार, बेसहारा (Helpless, poor)

उच्चारण करें (Pronounce)

मित्रता खोज तालाब उड़ना खतरा

शिक्षण संकेत (Teaching Prompts)

शिक्षक/शिक्षिका छात्रों को इस कहानी का मूल तत्व समझाएँ एवं कहानी से मिलने वाली प्रेरणा के बारे में बताएँ।
(Explain to the students the core essence of this story and discuss the inspiration derived from it.)

अभ्यास (Exercise)

जरा बोलिए (Speaking Skills)

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए। (Answer the given questions.)

(क) तालाब में कौन-कौन रहता था?

(ख) कछुआ किसका मित्र था?

(ग) तालाब को कछुआ क्यों छोड़ना चाहता था?

(घ) कछुआ किसको पकड़कर उड़ना चाहता था?

जरा लिखिए (Writing Skills)

2. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (Answer the given questions in writing.)

(क) हंस ने अपने दोनों मित्रों को क्या उपाय सुझाया?

.....

(ख) हंसों ने कछुआ को क्या समझाया?

.....

(ग) कछुआ नीचे क्यों गिर पड़ा?

.....

(घ) इस कहानी से हमें क्या शिक्षा मिलती है?

.....

3. दिए गए वाक्यों में रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।
(Complete the given sentences with the appropriate words.)

(क) एक बड़े तालाब में एक ..... रहता था।

(ख) अब कछुआ और दोनों हंस ..... होने लगे।

(ग) मित्र! आज हमने एक बड़े तालाब को ..... है।

(घ) दोनों हंस एक बड़ी-सी लकड़ी को दोनों ..... से पकड़ लेंगे।

(ङ) अगले दिन सब कुछ ..... के अनुसार ही हुआ।

4. उचित विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए। (Tick the correct option (✓).

(क) तीन मित्र कौन-कौन थे?

- ☐ दो हंस, एक कछुआ
- ☐ कछुआ और हंस
- ☐ एक हंस
- ☐ एक कछुआ

(ख) दूसरे तालाब में किसे जाना था?

- ☐ हंसों को
- ☐ कछुए को
- ☐ लोगों को
- ☐ सभी को

(ग) तालाब क्यों सूखने लगा?

- ☐ बहुत सर्दी की वजह से
- ☐ बहुत वर्षा की वजह से
- ☐ बहुत गर्मी की वजह से
- ☐ उपरोक्त में से कोई नहीं

(घ) हंस कहाँ की ओर निकल पड़े?

- ☐ भोजन की खोज में
- ☐ दूसरे तालाब की खोज में
- ☐ मोती की खोज में
- ☐ उपरोक्त में से कोई नहीं

5. दिए गए संकेतों के अनुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
(Answer the given questions according to the sentences.)

(क) मित्रो! तालाब का पानी तो बहुत कम हो गया है, अब बचा हुआ पानी ज्यादा दिन नही चलेगा।

किसने कहा – .....

किससे कहा – .....

(ख) मित्र! आज हमने एक बड़े तालाब को खोजा है।

किसने कहा – .....

किससे कहा – .....

(ग) हाँ, ये उपाय ही हमारे लिए सबसे अच्छा रहेगा।

किसने कहा – .....

किसने कहा – .....

जरा सोचिए (Critical Thinking)

6. जब परिस्थितियाँ आपके अनुकूल नहीं होती हैं तो उस स्थिति में आपको क्या करना चाहिए? सोचकर बताइए।
(What should you do when some situation is against you? Think and answer.)

जरा भाषा पर गौर कीजिए (Language Skills)

7. हिंदी वर्णमाला में कितने स्वर होते हैं? लिखिए।
(How many sounds are there in the Hindi alphabet? Write them.)

.....

.....

.....

.....

.....

8. दिए गए वाक्यों में वचन की पहचान कीजिए और लिखिए।
(Identify and write the correct animal for the given sentences.)

वचन: संज्ञा के जिस रूप से किसी व्यक्ति वस्तु के एक अथवा एक से अधिक होने का पता चलता है, उसे वचन कहते हैं; जैसे-
लड़का पढ़ता है- यहाँ लड़का का एकवचन होने का पता चलता है।
लड़कियाँ खेलती हैं- यहाँ लड़कियाँ से बहुत-सी संख्या या बहुवचन होने का पता चलता है।

कुत्ता भौंक रहा है। - .....

शेर दहाड़ रहा है। - .....

घोड़ा घास खा रहा है। - .....

चूहे नाच रहे हैं। - .....

बंदर केले खा रहे हैं। - .....

जरा रचनात्मक कार्य कीजिए (Creative Skills)

9. 'जल ही जीवन है' इस कथन की पुष्टि करते हुए संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए।
(Explain the statement "Water is life" with appropriate comments.)

जरा दिमाग लगाइए (Brain Storming Activity)

10. कछुए को तालाब तक पहुँचने में मदद कीजिए।
(Help the tortoise reach the pond.)

अध्याय 3

'एक अनोखी रेलयात्रा'

(यात्रा-वृतांत)

अध्ययन से पूर्व (Before Study)

शिक्षक/शिक्षिका चित्र के माध्यम से कक्षा में यह चर्चा करें कि यह चित्र कहाँ का हो सकता है? क्या आपने कभी रेल-यात्रा की है?

कहानी परिचय (Story Preview)

इस यात्रा-वृतांत के माध्यम से लेखक द्वारा भारतीयों पर अंग्रेज़ों द्वारा किए जाने वाले दुर्व्यवहारों के एक छोटे-से अंश को उजागर किया गया है जो भारतीयों की दासता को दर्शाता है।

कठिन शब्द (Difficult Words)

प्लेटफार्म प्रतीक्षा भक्-भक् इंजन प्रस्थान संकेत कुंठा पराधीन स्वाधीन दासता गंतव्य अफसर

शाम का समय था। मैं प्लेटफार्म पर खड़ा अपने मित्र की प्रतीक्षा कर रहा था। रेलगाड़ी के इंजन की भक्-भक् से प्लेटफार्म पर कुछ भी साफ़ सुनाई नहीं दे रहा था। अचानक रेलगाड़ी की लंबी सीटी की आवाज़ ने मेरे हृदय की धड़कन को बढ़ा दिया। इसलिए नहीं कि मुझे सीटी की आवाज़ से डर या घबराहट होती थी, बल्कि इसलिए कि जिसके इंतज़ार में मैं समय से पहले प्लेटफार्म पहुँचकर प्रतीक्षा कर रहा था, वह मेरा दोस्त अभी तक नदारद था। मैं मन-ही-मन सोच रहा था कि वह आएगा भी या नहीं। इधर, स्टेशन मास्टर ने रेलगाड़ी को प्रस्थान करने हेतु हरी झंडी दिखा दी। शायद! अब मुझे आगे की यात्रा अकेले ही करनी पड़ेगी। यह विचार मन में लिए मैं जैसे ही रेलगाड़ी के डिब्बे की ओर बढ़ा मुझे सफ़ेद अचकन और काली पैंट पहने, हाथ में भारी-भरकम सामान लिए दूर से भागते हुए मेरा दोस्त आशुतोष नज़र आया। मैंने रेलगाड़ी की रफ़्तार को ध्यान में रखते हुए आशुतोष को ज़ल्दी से किसी भी डिब्बे में चढ़ जाने का संकेत दिया। अब

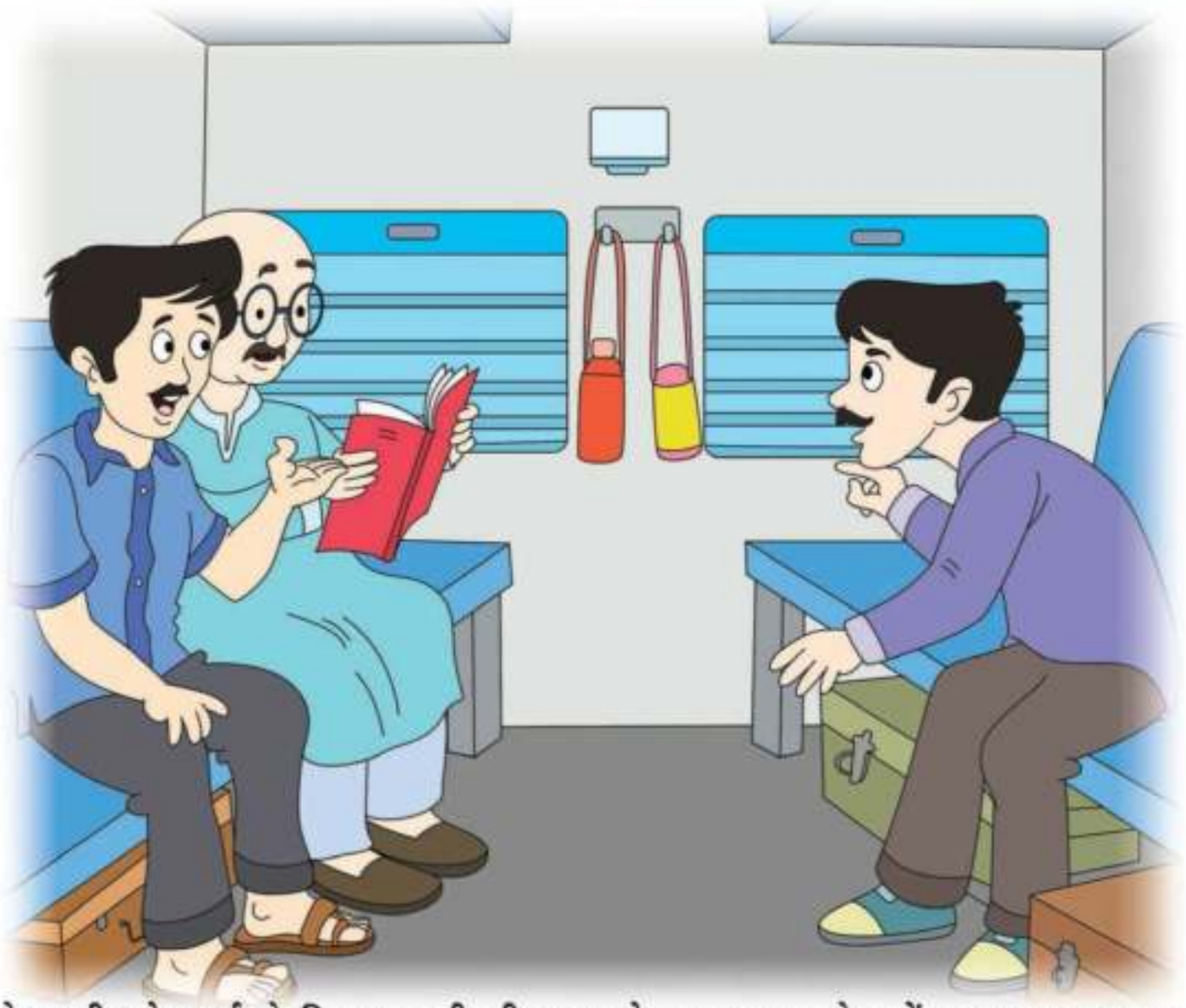

रेलगाड़ी प्लेटफार्म से निकल चुकी थी, मगर मेरा हृदय न जाने क्यों इतना घबरा रहा था कि आशुतोष चढ़ा भी होगा या नहीं।

मैं अपनी सीट पर चुपचाप माथा पकड़े बैठा हुआ था। इतने में मुझे किसी की आवाज़ सुनाई दी "सारा सामान भलि-भाँति रख लिया है न!" ये आवाज़ किसी और की नहीं आशुतोष की थी जो पीछे के डिब्बों को पार करते हुए अपने डिब्बे तक आ चुका था। आशुतोष ने मुझसे कहा, "जल्दी से अपना सामान ठीक जगह से बाँध लो और खिड़की वाली जगह घेर लो।" मुझे यह बात थोड़ी अज़ीब-सी लगी। मैंने आशुतोष से पूछा, "तुम ऐसा क्यों कह रहे हो?" आशुतोष ने जवाब दिया, "अरे! गाड़ी में खिड़की वाली सीट कौन नहीं घेरना चाहेगा। दरअसल, बात यह है कि अगले स्टेशन पर कुछ लोग चढ़ेंगे जो तुम्हारे सामान को और तुम्हें हटाकर गाड़ी के फ़र्श पर बैठने के लिए कहेंगे।" आशुतोष

की ये बात सुनकर मेरे मन में कई प्रश्न एक साथ उठ खड़े हुए। कौन लोग? और वो ये सब क्यों करना चाहेंगे? आशुतोष ने ज़वाब दिया– "मित्र, यह तुम्हारी पहली यात्रा है मगर मैं इस तरह की यात्राओं को पहले भी कर चुका हूँ। ये लोग और कोई नहीं बल्कि अंग्रेज़ हैं, जिन्हें यह लगता है कि हम लोग उनकी प्रजा हैं और वह राजा। वे हम पर हुक्म चला सकते हैं और हम उनकी दया और क्षमा के योग्य तब तक नहीं बनते जब तक हमारा हृदय दु:खी कर वे लोग किसी संतोष को प्राप्त न कर लें।"

आशुतोष की बात सुनकर मेरे मन में एक अनजान डर जन्म ले चुका था, कि पता नहीं वे अंग्रेज़ लोग हमारे साथ क्या व्यवहार करने वाले होंगे? अगला स्टेशन देखते-ही-देखते करीब आ रहा था। खयालों की उधेड़बुन होती रही और स्टेशन आ गया। अंग्रेज़ अफ़सरों की भीड़ रेलगाड़ी के डिब्बे में चढ़ गई। अचानक एक अंग्रेज़ अफ़सर हमारी ओर बढ़ा

और सामने वाली सीट पर जैसे ही बैठना चाहा, कि दूसरे साथी अफ़सर ने उसे आवाज़ लगाई और वे सभी ट्रेन से उतरकर प्लेटफार्म पर जा खड़े हुए। आशुतोष मेरे चेहरे के हाव-भाव को भाँप चुका था। "वे लोग उतर गए हैं, अब तुम घबराओ नहीं"। यह बात सुनकर कुछ देर के लिए मेरा हृदय संभल तो गया परंतु पूरी यात्रा में मेरे अधीर मन ने अनेकों सवालों के साथ-साथ एक ऐसी कुंठा को भी जन्म दिया जो अंग्रेज़ों के प्रति हमारी दासता थी। मैंने आशुतोष से कहा, "हम कब तक इनके गुलाम बने रहेंगे? आख़िर ऐसा कब तक चलने वाला है कि हम अपने ही देश में पराधीन और ये लोग हमारे ही देश में स्वाधीन बनकर जीएँगे।" आशुतोष के पास भी मेरे सवालों का शायद कोई उत्तर नहीं था। हम दोनों पूरी यात्रा के पश्चात् अपने गंतव्य स्थान तक तो पहुँच गए लेकिन अपने उत्तर तक नहीं।

कहानी का सारांश (Summary of the Story)

The narrator was waiting for his friend, Ashutosh, at a train platform. Despite the loud noise from the train, he was anxious as Ashutosh had not yet arrived. Just as the train was about to depart, Ashutosh appeared and hurriedly boarded a compartment. The narrator, now seated inside, felt relieved but worried about sharing their compartment with upcoming passengers. Ashutosh advised him to secure a window seat because at the next station, some British officers might board and displace them. This created a sense of unease in the narrator. As the train reached the next station, British officers entered their compartment but quickly left. The incident sparked a conversation between the friends about their subjugation under British rule and their longing for freedom. They reached their destination but were left pondering their nation's plight.

शब्दार्थ (Word Meaning)

मित्र	= दोस्त (Friend)	प्रतीक्षा	= इंतज़ार (Waiting)
नदारद	= गायब (Missing)	प्रस्थान	= चलने को कहना (Departure)
क्षमा	= माफी (Forgiveness)	दासता	= गुलामी (Slavery)

उच्चारण करें (Pronounce)

स्वाधीन	पराधीन	गंतव्य	कुंठा	प्रजा
इंतज़ार	झंडी	रफ़्तार	संकेत	हृदय

शिक्षण संकेत (Teaching Prompts)

शिक्षक/शिक्षिका कक्षा में बच्चों को उनके विस्मरणीय यात्रा के अनुभव बताने के लिए प्रोत्साहित करें।
(Encourage the students in the class to narrate their experiences of a sightseeing trip.)

अभ्यास (Exercise)

जरा बोलिए (Speaking Skills)

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए। (Answer the given questions.)

(क) प्लेटफार्म पर किसकी प्रतीक्षा हो रही थी?

(ख) स्टेशन मास्टर ने रेलगाड़ी को प्रस्थान करने के लिए क्या दिखा दी?

(ग) मित्र ने आशुतोष को रेलगाड़ी में चढ़ने के लिए क्या दिया?

(घ) रेल यात्रा में प्रजा किसको कहा गया?

जरा लिखिए (Writing Skills)

2. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (Write the answers to the given questions.)

(क) अब मुझे आगे की यात्रा अकेले ही करनी पड़ेगी, यह बात किसके मन में आई?

.....

(ख) प्लेटफार्म पर कौन, किसकी प्रतीक्षा कर रहा था?

.....

(ग) अगले स्टेशन से रेलगाड़ी में कौन चढ़ने वाले थे?

.....

(घ) 'वे राजा हैं और हम प्रजा' इस कथन का क्या तात्पर्य है?

.....

3. सही मिलान कीजिए। (Match correctly.)

(क)	प्लेटफार्म	(i)	हरी
(ख)	झंडी	(ii)	घबराहट
(ग)	हृदय	(iii)	राजा
(घ)	अंग्रेज़	(iv)	रेलगाड़ी

4. दिए गए शब्दों से वाक्य बनाइए। (Form sentences with the given words.)

(क) सीटी - .....

(ख) अचकन - .....

(ग) संकेत - .....

(घ) भीड़ - .....

5. किसने कहा, किससे कहा? लिखिए। (Who said, to whom? Write it down.)

(क) वह आएगा भी या नहीं।

किसने कहा - .....

किससे कहा - .....

(ख) खिड़की वाली जगह घेर लो।

किसने कहा - .....

किससे कहा - .....

(ग) यह तुम्हारी पहली यात्रा है।

किसने कहा - .....

किससे कहा - .....

(घ) वे राजा हैं और हम प्रजा।

किसने कहा - .....

किससे कहा - .....

जरा सोचिए (Critical Thinking)

6. कहानी में यदि आशुतोष रेलगाड़ी में न चढ़ता तो अंग्रेज़ अफ़सरों व उसके मित्र के बीच क्या बात होती? अपने सहपाठियों के साथ चर्चा करते हुए वाक्य लिखिए।

(In the story, if Ashutosh had not boarded the train, what would have been the conversation between the British officers and his friend? Write the sentence after discussing with your classmates.)

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

जरा भाषा पर गौर कीजिए (Language Skills)

7. उचित विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए।
(Mark the correct option with a check (✓) mark.)

(क) नदारद होना

- ☐ शामिल होना
- ☐ गायब होना
- ☐ हाज़िर होना
- ☐ दिखाई न देना

(ख) प्रस्थान

- ☐ आगे बढ़ना
- ☐ पीछे की ओर मुड़ना
- ☐ आगे चलना
- ☐ वहीं खड़े रहना

(ग) गंतव्य

- ☐ वह स्थान जहाँ जाना न हो
- ☐ वह स्थान जहाँ पहुँचना हो
- ☐ वह स्थान जहाँ से वापस आना हो
- ☐ वह स्थान जहाँ कोई न जाता हो

8. वाक्यांश के लिए एक शब्द लिखिए। (Write a single word for the phrase.)

(क) जो प्रजा पर राज करें – .....

(ख) जो अधीन होकर रहे – .....

(ग) जो अधीन होकर न रहे – .....

(घ) वह स्थान जहाँ पहुँचना हो – .....

(ङ) जिसके बारे में जानकारी न हो – .....

9. रिक्त स्थान में कारक का उचित रूप (का, के, की, ने, पर) लगाकर वाक्य को पूरा कीजिए। (Complete the sentence by filling in the appropriate case form (का, के, की, ने, पर) in the blank space.)

(क) अब मुझे आगे ..... यात्रा अकेले ही करनी पड़ेगी।

(ख) प्लेटफार्म ..... कुछ भी साफ़ सुनाई नहीं दे रहा था।

(ग) आशुतोष ..... मुझसे कहा, जल्दी से अपना सामान बाँध लो।

(घ) शाम ..... समय था मैं प्लेटफार्म पर खड़े अपने मित्र की प्रतीक्षा कर रहा था।

10. सही शब्द पर गोला (○) लगाइए। (Circle the correct word (○).)

(क)	इंतज़ार	इंतजार	इतंजार	इतंज़ार
(ख)	अकचन	अचनक	अचकन	अकचक
(ग)	खीड़कि	खिड़की	खिड़कि	खीड़की
(घ)	सकेत	संकैत	सकेंत	संकेत

ज़रा रचनात्मक कार्य कीजिए (Creative Skills)

11. स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े सेनानियों के चित्र पहचानते हुए उनसे संबंधित नारों को बैनर पर लिखिए। (Identify the pictures of freedom fighters and write the related slogans on the banner)

नारा

नारा

12. आपने पिछले कुछ दिनों में किस जगह की यात्रा की है? अपने अनुभवों को अपने शब्दों में लिखिए। (Which place have you traveled to in the past few days? Write about your experiences in your own words.)

अध्याय 4

'कदंब का पेड़'

(कविता)

अध्ययन से पूर्व (Before Study)

कक्षा में शिक्षक/शिक्षिका चर्चा द्वारा बच्चों से यह जानने का प्रयास करें, कि वह अपनी माँ के साथ खाली समय में किस तरह की अठखेलियाँ करते हैं?

कविता परिचय (Poem Preview)

बच्चे की प्रथम गुरु माँ ही होती है। कविता के माध्यम से माँ-बच्चे के अनोखे रिश्ते के बारे में बताया गया है।

कठिन शब्द (Difficult Words)

कदंब यमुना-तीरे बाँसुरी टहनी विकल आँचल पसारकर विनती घबराकर ध्यान हृदय प्रार्थना पत्तों

यह कदंब का पेड़ अगर माँ, होता यमुना-तीरे
मैं भी उस पर बैठ कन्हैया बनता धीरे-धीरे।
ले देती यदि मुझे बाँसुरी तुम दो पैसेवाली,
किसी तरह नीचे हो जाती यह कदंब की डाली।

तुम्हें नहीं कुछ कहता पर मैं चुपके-चुपके आता,
उस नीची डाली से अम्मा, ऊँचे पर चढ़ जाता।
वहीं बैठ फिर बड़े मज़े से मैं बाँसुरी बजाता,
अम्मा-अम्मा कह बंसी के स्वर में तुम्हें बुलाता।

सुन मेरी बंसी को माँ, तुम इतनी खुश हो जाती,
मुझे देखने काम छोड़कर, बाहर तक तुम आती।
तुमको आता देख बाँसुरी रख मैं चुप हो जाता,
पत्तों में छिपकर धीरे-से फिर बाँसुरी बजाता।

गुस्सा होकर मुझे डाँटती, कहतीं - नीचे आजा,
पर जब मैं न उतरता, हँसकर कहतीं - मुन्ना राजा!
नीचे उतरो मेरे राजा! तुम्हें मिठाई दूँगी,
नए खिलौने, माखन-मिसरी, दूध-मलाई दूँगी।

मैं हँसकर सबसे ऊपर की टहनी पर चढ़ जाता,
एक बार कह 'माँ' पत्तों में वहीं कहीं छिप जाता।
बहुत बुलाने पर भी माँ, जब मैं न उतरकर आता,
तब माँ हृदय तुम्हारा बहुत विकल हो जाता।

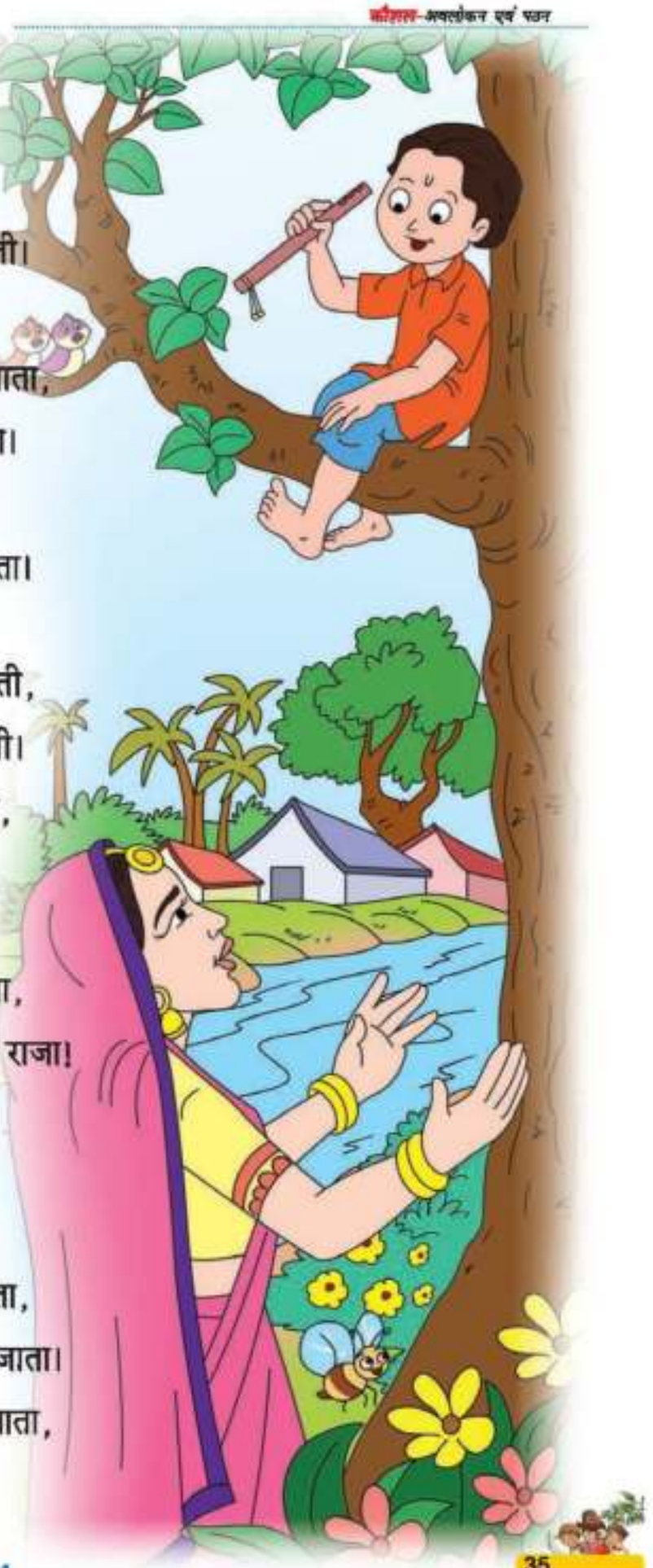

तुम आँचल पसारकर अम्मा, वहीं पेड़ के नीचे,
ईश्वर से कुछ विनती करतीं, बैठी आँखें मीचे।
तुम्हें ध्यान में लगा देख, मैं धीरे-धीरे आता,
और तुम्हारे फैले आँचल के नीचे छिप जाता।

तुम घबराकर आँख खोलतीं, फिर खुश हो जाती,
जब अपने मुन्ना राजा को गोदी में ही पाती।
इसी तरह कुछ खेला करते हम-तुम धीरे-धीरे,
माँ, कदंब का पेड़ अगर यह होता यमुना-तीरे।

– सुभद्राकुमारी चौहान

कविता का सारांश (Summary of the Poem)

In the poem by Subhadra Kumari Chauhan, the narrator imagines a playful scene if there were a Kadamba tree by the Yamuna River. The narrator envisions himself climbing the tree and playing a flute like Lord Krishna. His mother, upon hearing the flute, would be delighted and come out to see him. Despite her initial scolding, she would eventually coax him down with promises of sweets and toys. The child playfully hides and makes his mother anxious, only to reveal himself later and bring her joy. The poem beautifully captures the playful and affectionate bond between a mother and child, set against the backdrop of a mythical, idyllic setting.

शब्दार्थ (Word Meaning)

तीरे	= किनारा (Riverbank)	टहनी	= शाखा, डाली (Branch)
सारकर	= फैलाकर (Expanding)	विकल	= व्याकुल (Anxious)
विनती	= प्रार्थना (Request)		

उच्चारण करें (Pronounce)

आँचल	घबराकर	ध्यान	पत्तों
हँसकर	हृदय	कदंब	शहनाई

शिक्षण संकेत (Teaching Prompts)

शिक्षक/शिक्षिका इस कविता की लेखिका 'सुभद्राकुमारी चौहान' का संक्षेप में बच्चों को परिचय दें।
(Introduce the students to the poet of this poem 'Subhadra Kumari Chauhan'.)

अभ्यास (Exercise)

जरा बोलिए (Speaking Skills)

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए। (Answer the given questions.)

(क) कविता में बच्चा क्या बनने की बात कर रहा है?

(ख) कविता में माँ बच्चे को क्या-क्या देने की बात कर रही है?

(ग) कविता में किसका हृदय विकल हो जाता है?

(घ) कविता में किस नदी के किनारे की बात की जा रही है?

जरा लिखिए (Writing Skills)

2. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (Write the answers to the given questions.)

(क) बच्चा किसे बुला रहा है और क्यों?

.....

(ख) बच्चा क्या बनने की बात कर रहा है?

.....

(ग) कविता का मुख्य भाव क्या है?

.....

3. कविता की रिक्त पंक्तियों को भरिए। (Fill in the blanks in the poem.)

(क) तुम आँचल .....,
..... आँखे मीचे।

(ख) वहीं बैठ फिर .....,
..... तुम्हें बुलाता।

(ग) तुम्हें ध्यान में .....
..... नीचे छिप जाता।

4. उचित विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए।
(Mark the correct option with a check (✓) mark.)

(क) प्रस्तुत कविता की रचयिता हैं-

- ☐ महादेवी वर्मा
- ☐ सुभद्राकुमारी चौहान
- ☐ अमृता प्रीतम
- ☐ रामचंद्र शुक्ल

(ख) कविता में किस पेड़ के विषय में बात की गई है?

- ☐ आम का पेड़
- ☐ जामुन का पेड़
- ☐ कदंब का पेड़
- ☐ बरगद का पेड़

(ग) कविता में बच्चा क्या बनने की कल्पना करता है?

- ☐ कन्हैया
- ☐ राजा
- ☐ मुन्ना
- ☐ ताकतवर

जरा सोचिए (Critical Thinking)

5. यदि आप इस कविता में बच्चे की जगह होते, तो आप अपने मन के किस भाव की कल्पना करते? सोचकर बताइए। (If you were in the place of the child in this poem, what emotion would you imagine in your mind? Think and describe.)

6 यदि आप घर में शरारत करते हैं, तो आपकी माँ और आपके बीच होने वाले संवाद को लिखिए। (If you create mischief at home, write the dialogue between you and your mother.)

माँ – .....

बेटा/बेटी – .....

माँ – .....

बेटा/बेटी – .....

माँ – .....

जरा भाषा पर गौर कीजिए (Language Skills)

7. प्रस्तुत कविता से लिए गए शब्दों के समानार्थी शब्द बताइए।
(Provide synonyms of the words taken from the given poem.)

(क) आवाज़ – ....

(ख) प्रार्थना – ....

(ग) व्याकुल – ....

(घ) बंसी – ....

8. मूल धातु से क्रिया शब्द लिखकर वाक्य रचना कीजिए।
(Write action words (verbs) from the root words and create sentences.)

(क) कह – .....

(ख) छिप – .....

(ग) हँस – .....

9. दिए गए वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए।
(Correct the given sentences and rewrite them.)

(क) हृदय बहुत विकल हो तब माँ तुम्हारा जाता।

.....

(ख) घबराकर खोलती तुम खुश फिर आँख जाती हो।

.....

10. सही मिलान कीजिए। (Match correctly.)

(क)	नीचे	(i)	राजा
(ख)	आता	(ii)	धीरे
(ग)	आजा	(iii)	मीचे
(घ)	वाली	(iv)	डाली
(ङ)	तीरे	(v)	जाता

जरा रचनात्मक कार्य कीजिए (Creative Skills)

11. बाल जीवन में सभी किसी-न-किसी तरह का हठ करते हैं। आप अपनी माँ से किस प्रकार की हठ करते हैं? इस विषय पर लिखकर बताइए।
(Everyone exhibits some kind of stubbornness in childhood. What kind of stubbornness do you show to your mother? Write on this topic.)

12. 'सभुद्राकुमारी चौहान' की जीवनी अपने शब्दों में लिखिए।
(Write a biography of 'Subhadra Kumari Chauhan' in your own words.)

जीवन कौशल एवं मूल्यपरक प्रश्न (Life skills & Value based Question).

13. प्रस्तुत कविता 'कदंब का पेड़' में मातृत्व भाव को सर्वोपरि रखा गया है। आप अपने जीवन में मातृत्व भाव को कब अपनाएँगे? (In the presented poem 'Kadamba Tree,' the feeling of motherhood is given the highest importance. When will you adopt the feeling of motherhood in your life?)

For Full PDF

Click The Link Below